रोशन दाते

श्रीमती रोशन चत्तिरंजन दाते (बेदरकर)
डायरेक्टर रोचित कथक अकादमी, कथक नृत्यांगना,
कोरिओग्राफर, कला इतिहास संशोधक एवं गुरु

A2/11, Surya Prabha
Near HDFC Bank
Bibwewadi-Kondhwa Road
Bibwewadi, Pune 411037, INDIA

T: 912024261606
E: roshandatye@gmail.com
cndatye@gmail.com
www. roshandatyekathak.com

- **शिक्षा** - बी. ए., बी. एड., बी. कॉम, पुणे विद्यापीठ
  - नृत्य अलंकार, गांधर्व महाविद्यालय
- कथक नृत्य की प्रारंभिक शिक्षा नासिक में, गुरु हैदरअली शेखजी से 10 वर्षो तक प्राप्त की।
- रोशन दाते को सुविख्यात प्रतिभावान नृत्यांगना, कला प्रतिपादिका, कल्पक संरचनाकार, कलासाधक गुरु डॉ. रोहिणी भाटेजी से 30 वर्षो तक गहन शिक्षा ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रोहिणीजी का बहुआयामी व्यक्तित्व आपको सदैव प्रेरित करता रहा।
- रोशन दाते ने गुरु रोहिणी भाटे द्वारा स्थापित 'नृत्यभारती' संस्था में 24 वर्षों तक अध्यापन का कार्य किया। 12 वर्षों तक संस्था के सचीव के रुप में और 3 साल तक सहसंचालिका के रुप में जिम्मेदारी निभायी। पिछले 33 वर्षों से 'नृत्यभारती' की प्रत्येक प्रस्तुति विषयक कार्यक्रम एवं योजनाओं में संस्था की समायोजक की रुप में कार्यरत है।
- **विशेषताएँ** - कुशल नृत्यांगना, सक्षम गुरु, कोरियोग्राफर (संरचनाकार), कला, इतिहास संशोधक
- गुरु एवं मानद प्राध्यापक ' ललित कला केंद्र (गुरुकुल), पुणे विश्वविद्यालय
- **फेलोशिप** - कथक नृत्य, प्राचीन मूर्तिशिल्प और मध्ययुगीन लघुचित्रों के परस्पर संबंधोंपर शोधकार्य करने के लिए भारत सरकार के सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्रालय द्वारा शोधवृत्ती प्राप्त हुई। (2002 से 2004)
- **पॅनल आर्टिस्ट** - भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR)
- **परिक्षक** - कथक केंद्र नई दिल्ली सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार दिल्ली द्वारा आयोजित छात्रवृत्ती परीक्षा ललित कला केंद्र, पुणे विश्वविद्यालय
- पत्रिकाएँ, वृत्तपत्र एवं पुस्तकों में लेखन
- नॅशनल डिफेन्स ॲकडमी (N.D.A) पुणे पर बनी डॉक्युमेंटरी फिल्म, 'माय फ्लॅग माय लाईफ' के निर्माण में विशेष योगदान हेतू 2009 में माननीय डॉ. ए. पी. जे. अबदुल कलामजी (भूतपूर्व राष्ट्रपती, भारत सरकार) के हाथों स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान प्राप्त।
- सिटी ऑफ थंडर बे, कॅनडा के मेयर द्वारा सम्मान, 1998
- कलाभक्ती पुरस्कार, 2009, जोहार मायबाप संस्था, नासिक द्वारा
- व्होकेशनल एक्सलंस रेकग्रेशन अवॉर्ड रोटरी क्लब ऑफ पुणे, अक्तुबर 2010
- **संस्थापिका** - रोचित कथक अकादमी नृत्यभारती शाखा, स्थापना 1980। देश- विदेश में आपकी शिष्याएँ सफल नृत्यांगनाओ के रुप में कार्यरत हैं। अनेक छात्राओं को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरपर शिष्यवृत्ती एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- सन 2004-2005 में संस्था ने रजत जयंती वर्ष मनाया। इस अवसर पर 8 विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी वर्ष संस्था ने 'कृ. द. बेदकर कला विचार मंच' की स्थापना भी की।
- **चर्चासत्र एवं संगोष्ठी में सप्रयोग व्याख्यान**

भारत में - ग्वालियर, मुंबई, धारवाड, पुणे, लखनऊ, दिल्ली, नागपुर
विदेष में - एडमंटन, विनिपेग (कॅनडा), लेस्टर (यु. के.)

- **निम्न विषयोंपर व्याख्यान**
  1) गुरु ' शिष्य परंपरा ' ग्वालियर अखिल भारतीय संगीत संगोष्ठी
  2) कथक नृत्य और अवकाश 'Space- An Artist·s Perspective (पुणे के सात आर्किटेक्चर कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए आयोजित संगोष्ठी का में)
  3) कथक नृत्य,मंदिर स्थापना और अवकाश का परस्पर संबंध (पॉवर पॉईंट प्रेझेंटेशन) – अनेक संस्थाओं में
  4) नृत्य, प्राचीन मूर्तिशिल्प, लघुचित्र और साहित्य का परस्परसंबंध (पॉवर पॉईंट प्रेझेंटेशन)
  5) कथक नृत्य और नाट्यशास्त्र में वर्णित नृत्तकरण ' एस. एन. डी. टी. विश्वविद्यालय, मुंबई
  6) गुरु रोहिणी भाटेजी की नृत्यशैली में कथाकथन परंपरा के तत्व – एस. एन. डी. टी. विश्वविद्यालय, मुंबई
  7) Angika in Parampara- Kathak & Natyashastra (Special Reference to 'Meghadootam') at NatyaParva Symposium & Festival of Sanskrit Theatre organized by SangeetNatakAkademi, New Delhi at Dharwad, Karnataka, Dec. 2008.
  8) कथक नृत्य और कोरिओग्राफी (P.P.P)
  9) कथक नृत्य एवं भरतनाट्यम – नृत्य प्रस्तुति विचार विनिपेग, कॅनडा
  10) कथक नृत्यमें समाहित नाट्यशास्त्रीय करण और अभिनय दर्पण में उद्धृत चारीयोंका विचार – हांडिया फेस्टीवल

- **कार्यशालाओं में सहयोग** – मुंबई, नासिक, जयपूर, पुणे और विदेश में कॅनडा एवं यू. के.

- **वैसिषट्यपूर्ण नृत्यरचना**

पारंपारिक रचनाएँ - ध्रुपद, चतुरंग, विविध ताल रचनाएँ, सरगम, तराने, होरी, झूला, ठुमरी, मराठी ' हिंदी संत काव्यपर आधारित नृत्यरचनाएँ, अष्टनायिकाओं की वैशिष्ट्यपूर्ण रचनाएँ, अधमा नायिका – शूर्पणखा, धिरोध्दत्त नायक – रावण आदि.

सरंचनाएँ (कोरिओग्राफी) – आपकी संरचनाएँ वैविध्यपूर्ण, आकर्षक एवं गवेशणपूर्ण होती है। इन रचनाओं में कलाभिव्यक्ति के साथ कथक कलाकारों का समाजप्रबोधन का पारंपारिक कार्य भी जुडा हिआ दिखाई देता है। इसलिए आपकी सरंचनाएँ दर्शकों तक अवश्य कोई ना कोई संदेश पहुँचाने में सफल रही है।

i. कथाकादिकथक ' दृकश्राव्य प्रस्तुती ' प्राचीन मंदिर शिल्प, लघुचित्र एवं कथक नृत्य के परस्पर संबंधोंपर आधारित कलात्मक अभिव्यक्ति.
ii. सृष्टि ' पर्यावरण समस्या को मार्मिक, आकर्षक एवं प्रभावी नृत्यों द्वारा उजागर करने का प्रयास।
iii. आधुनिक नायिका – सावित्रीबाई फुले, जोन ऑफ आर्क, कस्तुरबा गांधी – जैसी असामान्य, साहसी, निडर नेतृत्ववाली राष्ट्राभिमानी नायिकाओंकी नृत्य द्वारा प्रस्तुती
iv. व्योम – हमारी सूर्यमाला अर्थात ग्रहों के भौगोलिक, खगोल शास्त्रीय, ज्योतिषविषयक एवं पौराणिक कथा आदि संदर्भोपर आधारित रुचिकर नृत्य रचना। इस संरचना का प्रदर्शन इंग्लंड में और फिर भारत के अनेक शहरों में हुआ। 'व्योम' का निर्माण सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डान्स, यु. के. इस संस्था द्वारा किया गया है।
v. ललित अलंकृत महाराष्ट्र – ललित कलाओं से अलंकृत महाराष्ट्र की उन्नत विरासत एवं कलावैभव का मनोहारी आविष्कार, प्राचीन वास्तुशिल्पों के आधार से की हुई दृक् - श्राव्य कला प्रस्तुती।
vi. कॅक्टस – जीवन की ओर देखने का सकारात्मक दृष्टीकोण।
vii. एकरुप – एकता एवं सामंजस्य के महत्व को विषद करनेवाली कलाकृती।
viii. नृत्यमय पोवाडा – मराठा राजा छत्रपती शिवाजी महाराज की वीरगाथा।

- **महत्वपूर्ण नृत्य महोत्सव में नृत्य प्रदर्शन**
- कालका – बिंदा नृत्य महोत्सव, दिल्ली
- कथक महोत्सव, दिल्ली
- शरद चंद्रीका महोत्सव, दिल्ली
- विरासत बॅले फेस्टीवल, लखनऊ
- नर्मदा महोत्सव – आंतरराष्ट्रीय नदी महोत्सव, होशंगाबाद
- फिल्म फेस्टीवल, गोवा
- काला घोडा फेस्टीवल, मुंबई
- कालीदास समारोह, उजैन
- कथक महोत्सव, जयपूर
- कथक महोत्सव, लखनऊ
- उदयशंकर बॅले फेस्टीवल, जयपूर
- नृत्यधारा महोत्सव, नासिक
- शनिवारवाडा डान्स फेस्टीवल, पुणे
- इंटरनॅशनल आयुर्वेद कॉन्फरन्स, पुणे
- सोलापूर महोत्सव
- सिल्वासा फेस्टीवल
- 85 वा अखिल भारतीय मराठी साहित्य संमेलन, चंद्रपूर
- दशेहरा महोत्सव, कोल्हापूर
- महाराष्ट्र खाद्य महोत्सव, महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा आयोजित, मुंबई
- मल्हार उत्सव, जळगाव – पर्यटन मंत्रालय, महाराष्ट्र राज्य द्वारा आयोजित

- **देश विदेश में नृत्य प्रस्तुतीयाँ** – गुरु रोहिणी जी के साथ एवं स्वतंत्र रुप से।
- **एकल – भारत में** - मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, ठाणे, डोंबिवली, ग्वालियर, भोपाल, लखनऊ, दिल्ली, आदि।
- **विदेश में** - लंदन – नेहरु सेंटर, लंदन, (डायरेक्टर डा. गिरीश कर्नाडजी के समक्ष) । विनिपेग, थंडर बे, लेस्टर, एडमंटन, कॅलगरी।
- **समुहात्मक – भारत में** - दिल्ली, जयपूर,लखनऊ, भोपाल, होशंगाबाद, देवास, उजैन, बनारस, कोलकता, चेन्नाई, बेलगाँव, शिमोगा, गोवा, धारवाड, मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, नागपूर, सोलापूर, होशंगाबाद, कोल्हापूर, सांगली, डोंबिवली, ठाणे, सिल्वासा, चंद्रपुर।
- **विदेश में 65 विभिन्न शहरों मे नृत्य प्रदर्शन।**

- **अन्य प्रशिक्षण**
- चित्रकला प्रमाणपत्र, महाराष्ट्र सरकार।
- आंतर विश्र्वविद्यालय खो-खो खेल प्रतियेगिताओं में पुणे विश्र्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व।
- भोसला मिलटरी स्कुल, नासिक द्वारा आयोजित सैनिकी प्रशिक्षण शिबीरों में प्रशिक्षण प्राप्त।